जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 31 संख्याः 182 प्रभात उदयपुर, सोमवार 6 मई, 2024 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

सैंट्रल सिंगापुर के हिंडहो नेचर पार्क की सुबह चिड़ियों के चहचहाने से गुंजायमान रहती है। लेकिन एक स्वर, स्पष्ट रुप से अलग सुनाई देता है, स्ट्रॉहैडेड बुलबुल की लम्बी, गड़गड़ाहट भरी ''कॉल''। सिंगापुर में इस प्रजाति का अध्ययन करने वाले दो लोगों में से एक, संरक्षणविद्, हो हुआ चिऊ कहते हैं, ''जब भी मैं इसका गूंजने वाला चहचहाता हुआ गाना सुनता हूँ तो लगता है कि, वन जीवन्त हो उठा है।'' इस चिड़िया की मधुर आवाज़ ही इसकी हानि का कारण बन गयी है। एशिया के साँग बर्ड्स के व्यापार में, इस प्रजाति की सबसे अधिक मांग है। हर वर्ष, मनभावन स्वर वाली हजारों चिड़ियाँ दक्षिण -पूर्वी एशिया के जंगलों से पकड़ी जाती हैं, मनोरंजन के लिए घर में रखने और प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए। इस कारण जंगलों में इनकी आबादी तेजी से कम होती जा रही है। साँग बर्ड ट्रेड के कारण 40 से ज्यादा प्रजातियाँ भारी खतरे में हैं। बाज़ार में चिड़ियों की मांग को पूरा करने के लिए साउथ ईस्ट एशिया में स्ट्रॉ हैडेड बुलबुल की आबादी नष्ट हो गई है। इन्टरनेशनल यूनियन फॉर कंज़रवेशन ऑफ नेचर (आई.यू.सी.एन.) ने वर्तमान में इसे गंभीर रुप से संकटग्रस्त श्रेणी में रखा है। ऐसा मानना है कि, यह प्रजाति थाइलैंड में और संभवतया म्यांमार व इंडोनेशिया के जावा और सुमात्रा द्वीपों में पहले से ही विलुप्त हो चुकी है। मलेशिया प्रायद्वीप और इंडोनेशिया के बोरनिओ में भी इनकी आबादी तेजी से घट रही है। सिंगापुर ही एकमात्र शहर-देश है जिसने इस गिरावट के दौर को रोका है। यह अत्यधिक शहरीकृत द्वीप -राष्ट्र, इस प्रजाति के लिए अप्रत्याशित आश्रय के रुप में उभर कर आया है, जहां तीन दशकों के संरक्षण कार्यों के कारण, इस चिड़िया की आबादी धीरे-धीरे ही लेकन, लगातार बढ़ रही है। वर्ष 2020 में प्रकाशित एक न्यूनतम अनुमान के अनुसार, सिंगापुर में लगभग 600 स्ट्रॉ हैडेड बुलबुल हैं। स्ट्रॉ हैडेड बुलबुल को बचाने का प्रयास, 30 वर्षों से पहले शुरु हुआ था। नॉन प्राफिट संगठन, ''नेचर सोसायटी सिंगापुर'' के बर्ड ग्रुप ने पूलाउ ऊबिन क्षेत्र और मुख्य द्वीप पर कुछ क्षेत्रों में इस प्रजाति को बचाने के अभियान का नेतृत्व किया था। चिड़ियों में रुचि रखने वाली, नेचर सोसायटी सिंगापुर की एक वालंटियर बैटी शॉ कहती हैं, ''पहले हम स्ट्रॉ हैडेड बुलबुल को केवल पूलाउ ऊबिन में या सिंगापुर के सैन्ट्रल कैचमैन्ट एरिया जैसे कुछ ही क्षेत्रों में देख सकते थे लेकिन अब हमें इनकी मधुर आवाज़ वहां भी सुनाई देती है जहाँ पहले आशा नहीं करते थे।

अयोध्या में प्रधानमंत्री मोदी का मेगा रोड शो, जमकर भीड़ उमड़ी

अयोध्या पहुंचकर प्रधानमंत्री मोदी ने राम मंदिर में भगवान श्री रामलला का दर्शन एवं पूजन किया और दण्डवत प्रणाम कर आशीर्वाद मांगा

- **रोड शो के लिए प्र.मंत्री मोदी का रथ जैसे ही आगे बढ़ा नारों से वातावरण गूंज उठा। जय श्री राम, हर हर मोदी-घर घर मोदी, फिर से मोदी सरकार-अबकी चार सौ पार जैसे नारों के बीच उमड़ी भीड़ ने मोदी पर फूलों की बारिश कर दी।**
- **प्रधानमंत्री मोदी ने अयोध्या में 2 किलोमीटर लम्बा रोड शो किया। मोदी के रथ पर यू.पी. के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद थे।**

अयोध्या, 5 मई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अयोध्या में भगवान श्री रामलला का दर्शन पूजन करने के बाद सुग्रीव किला से रोड शो की शुरुआत की। प्रधानमंत्री मोदी उत्तर प्रदेश में इटावा और धौरहरा की चुनावी जनसभाओं को संबोधित करने के बाद शाम को अयोध्या हवाई अड्डे पहुंचे जहां से सड़क मार्ग से भगवान श्रीराम के मंदिर पहुंचे।

मोदी ने अयोध्या से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार व सांसद लल्लू सिंह के समर्थन में फूलों और बैनर से सजे एक खुले वाहन (रथ) पर सवार होकर रोड शो शुरू किया और वाहन पर उनके साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और लल्लू सिंह मौजूद थे। प्रधानमंत्री मोदी के रोड शो के दौरान भारी संख्या में लोगों का जमावड़ा देखा गया। इस दौरान लगातार 400 पार के नारे लग रहे थे।

प्रधानमंत्री मोदी राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य द्वार के पास सुग्रीव किला से रथ पर सवार हुए। प्रधानमंत्री के अभिनंदन व स्वागत के लिए राम पथ के दोनों तरफ जनता काफी पहले से उनका इंतजार कर रही थी। इस दौरान उनकी सुरक्षा को लेकर व्यापक इंतजाम किये गये थे। भाजपा के एक नेता ने बताया कि, सुग्रीव किला से लता मंगेशकर चौक तक करीब दो किलोमीटर की दूरी के बीच मोदी के रोड शो के लिए 75 ब्लॉक बनाये गये हैं, जहां हर वर्ग के लोग प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए मौजूद हैं।

इसके पहले मोदी ने राम मंदिर में भगवान श्री रामलला का दर्शन पूजन किया और पूरी तरह लेटकर आशीर्वाद मांगा। मोदी मंदिर में करीब 15 मिनट रहे और इस दौरान मंत्रोच्चार के बीच उन्होंने पूजन और आरती भी की। रोड शो के लिए मोदी का रथ जैसे ही आगे बढ़ा नारों से वातावरण गूंज उठा। जय श्री राम, हर हर मोदी-घर घर मोदी, फिर से मोदी सरकार-अबकी बार चार सौ पार जैसे नारों के बीच उमड़ी भीड़ ने मोदी पर फूलों की बारिश कर दी।

प्रधानमंत्री के स्वागत में जगह जगह सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये थे। बाल कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी। साधु संत भी सड़क के किनारे खड़े होकर मोदी के स्वागत में उत्साहित दिखे। मोदी के स्वागत में बच्चे, बड़े और महिलाएं भी मौजूद रहीं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में इस वर्ष 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की गयी।

तीसरे चरण का प्रचार खत्म

नयी दिल्ली, 5 मई (वार्ता)। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के मतदान के लिए चुनाव प्रचार का शोर रविवार की शाम पांच बजे थम गया।

चुनाव आयोग तीसरे चरण की वोटिंग को लेकर तैयारियों को अंतिम रूप दे रहा है। चुनाव के वोटों की गिनती चार जून को की जाएगी।

- **तीसरे चरण के चुनाव में गृह मंत्री अमित शाह, ज्योतिरादित्य सिंधिया, शिवराज सिंह चौहान, दिग्विजय सिंह, डिंपल यादव व सुप्रिया सुले समेत कई दिग्गजों की साख दांव पर होगी।**

तीसरे चरण के चुनाव में गृह मंत्री अमित शाह, ज्योतिरादित्य सिंधिया, शिवराज सिंह चौहान, दिग्विजय सिंह, डिंपल यादव, सुप्रिया सुले समेत कई दिग्गजों का फैसला होगा।

अब तक देश में लोकसभा के पहले चरण में 19 अप्रैल को 21 राज्यों की 102 सीटों पर मतदान हुआ। फिर 26 अप्रैल को दूसरे चरण में 88 सीटों पर मतदान हुआ। जिसके बाद अब सात मई को तीसरे चरण के मतदान होंगे। जिसके बाद 13 मई को चौथे, 20 मई को पांचवें, 25 मई को छठे, एक जून को सातवें चरण के मतदान होंगे। चार जून को वोटों की गिनती की जाएगी।

तीसरे चरण के लिए सभी प्रत्याशियों और राजनीतिक दलों ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अखिलेश के रोड शो में अभद्र नारे लगे, महराणा प्रताप की मूर्ति पर चढ़े कार्यकर्ता

महाराणा प्रताप की मूर्ति पर चढ़ने को लेकर पुलिस ने सपा समर्थकों और नेताओं पर एफ.आई.आर. दर्ज की

- **गौरतलब है कि, इस मामले का एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें कुछ लोग अभद्र नारे लगाते और गालियां देते दिख रहे हैं। इस वीडियो में सपा समर्थकों के हाथ में समाजवादी पार्टी का झण्डा भी दिख रहा है, जो महाराणा प्रताप की मूर्ति के ऊपर चढ़े हुए हैं।**

मैनपुरी, 5 मई। लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनज़र दो चरणों का मतदान समाप्त हो चुका है। तीसरे चरण के लिए 7 मई को मतदान कराया जाएगा। वहीं 5 जून को चुनाव प्रचार थम जाएगा। इसी कड़ी में समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव चुनाव प्रचार करने के लिए मैनपुरी पहुंचे। यहां उन्होंने रोड शो किया। अखिलेश यादव के रोड शो में शामिल समाजवादी पार्टी के समर्थकों और नेताओं ने इस दौरान अभद्र नारे लगाए और महाराणा प्रताप की मूर्ति पर चढ़ गए। महाराणा प्रताप की मूर्ति पर चढ़ने को लेकर पुलिस ने सपा समर्थकों और नेताओं पर एफ.आई.आर. दर्ज की है।

बता दें कि बीते दिनों उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मैनपुरी पहुंचे थे। यहां उन्होंने रोड शो किया और इसकी समाप्ति के बाद वह महाराणा प्रताप की मूर्ति के पास पहुंचे और उन्होंने महाराणा प्रताप को पुष्पांजलि अर्पित की थी। इसके दो दिन बाद ही मैनपुरी में इस तरह की घटना देखने को मिली है। बता दें कि, इसका वीडियो भी सामने आया है जिसमें कुछ लोग अभद्र नारे लगाते और गालिया देते दिख रहे हैं। बता दें कि इस वीडियो में सपा समर्थकों के हाथ में समाजवादी पार्टी का झंडा भी दिख रहा है, जो महाराणा प्रताप की मूर्ति के ऊपर चढ़े हुए हैं।

बता दें कि महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर समाजवादी पार्टी के समर्थकों द्वारा चढ़े जाने के बाद सूबे में राजनीति तेज हो गई है। मैनपुरी में महाराणा प्रताप की प्रतिमा को क्षति पहुंचाये जाने के विरोध में आक्रोशित जनता सड़क पर उतर आई। कायस्थ समाज, वैश्य समाज, सविता समाज, सर्व समाज, लोधी समाज, शाक्य समाज, क्षत्रिय समाज के साथ अन्य सामाजिक संगठन के हजारों लोग शनिवार रात से ही प्रताप चौक पर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। बता दें कि, सपा समर्थक द्वारा की गई हरकत के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

बता दें कि दो दिन पहले ही मुलायम सिंह यादव के गढ़ मैनपुरी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चुनावी रैली की थी। भाजपा ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर यहां से जसवीर सिंह को अपना उम्मीदवार बनाया है। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी ने लोगों से अपील की कि, वे जसवीर सिंह को वोट देकर जिताने का काम करें। बता दें कि, मैनपुरी में योगी आदित्यनाथ के स्वागत और रोड शो के दौरान कई बुलडोज़र एक साथ देखे गए, जिनकी रैली निकाली गई। इसका वीडियो जब सोशल मीडिया पर आया तो इसे देखकर हर कोई हैरान था। बता दें कि, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बुलडोज़र बाबा के नाम से भी जाना जाता है।

भाजपा ने महाराणा प्रताप के अपमान का आरोप लगाते हुए सपा को आड़े हाथ लिया, तो सपा ने इसके लिए भाजपा की जवाबदेह ठहरा दिया। पूरे मामले में पुलिस की सक्रियता के चलते दो एफ.आई.आर. भी सौ से अधिक अज्ञात लोगों पर दर्ज कर ली गईं। उधर देर रात दन्नाहार के गांव जसवंतपुर से पुलिस ने तीन युवकों को इस मामले में गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है।

शनिवार की देर रात सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रत्याशी डिंपल यादव के साथ करहल चौराहे पर रोड शो खत्म किया और सैफई के लिए रवाना हो गए। रात करीब साढ़े 11 बजे एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें कुछ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाली से तीसरी बार चुनाव जीत सकते हैं भाजपा के पी.पी. चौधरी

गौरतलब है कि पाली से आज तक कोई भी सांसद तीन बार नहीं जीता है

- **पी.पी. चौधरी को प्रधानमंत्री मोदी की नज़दीकी के कारण तीसरी बार फिर पाली से टिकट मिला है। वे पाली में इतिहास रचने के करीब हैं।**
- **कांग्रेस ने यहां से महिला बाल विकास आयोग की अध्यक्ष रही संगीता बेनीवाल को टिकट दिया है उन्हें गहलोत का करीबी माना जाता है।**
- **संगीता बेनीवाल के प्रचार में कांग्रेस का कोई बड़ा नेता नहीं आया, यही नहीं टिकट घोषणा में देरी होने के कारण संगीता खुद भी सब जगह नहीं जा पाईं।**

पाली, 5 मई (नि.सं.)। पाली लोकसभा क्षेत्र में मतदान के दिन से ही संभावित नतीजों के बारे में चर्चा का बाजार गर्म है , हालांकि इस बार जिले में कोई लहर नहीं दिखी, चुनाव प्रचार, होर्डिंग बाजी, भोंपू प्रचार, झंडिया लगाना और आम सभा जैसा कुछ भी नहीं रहा। लोकसभा चुनाव का कोई खास माहौल नहीं दिखा।

भाजपा के प्रत्याशी पी.पी. चौधरी की नामांकन सभा में गजेंद्र सिंह शेखावत, राज्यवर्धन सिंह राठौड़, सतीश पूनिया मौजूद रहे तो कांग्रेस की प्रत्याशी संगीता बेनीवाल की नामांकन रैली में अशोक गहलोत, गोविंद सिंह डोटासरा मौजूद रहे। इसके बाद पाली शहर में कोई बड़ी मीटिंग नहीं हुई, पूरा चुनाव भोपालगढ़, ओसियां पर फोकस रहा। जहां भाजपा से अमित शाह, मुख्यमंत्री भजनलाल सहित कई नेता पहुंचे। वहीं कांग्रेस के अशोक गहलोत ने भोपालगढ़ और बाली में मीटिंग ली।

भाजपा से पी.पी. चौधरी को प्रधानमंत्री मोदी के नजदीक होने के कारण तीसरी बार टिकट मिला। उन्होंने 2014 में कांग्रेस की मुन्नी देवी गोदारा को साढ़े तीन लाख वोट से और 2019 में कांग्रेस के बद्री जाखड़ को 4.50 लाख वोट से हराया था। जहां भाजपा को राम मंदिर, मोदी की गारंटी, राजस्थान सरकार की योजना का लाभ मिलने की उम्मीद है भाजपा को परंपरागत हर जाति के वोट मिले, वहीं कांग्रेस को अल्पसंख्यक और परंपरागत वोट मिले। कांग्रेस नेताओं का भी मानना है कि पार्टी अच्छी टक्कर देगी।

पाली जिले में आठ विधानसभा क्षेत्र पाली, बाली, सोजत, सुमेरपुर, भोपालगढ़, ओसिया, बिलाड़ा हैं। यहां कांग्रेस से संगीता बेनीवाल मैदान में हैं जिन्हें महिला बाल आयोग अध्यक्ष होने और अशोक गहलोत के नजदीक होने के कारण टिकट मिला। टिकट की देरी से घोषणा होने के कारण वे पूरे क्षेत्र में नहीं घूम सकी। कोई बड़ा नेता उनके साथ चुनाव प्रचार में भी नहीं रहा। पाली क्षेत्र नया था, जबकि भाजपा के प्रत्याशी को तीसरी बार टिकट मिलने के कारण लोकसभा क्षेत्र में कोई दिक्कत नहीं आई। यहां से सात सीटों पर भाजपा विधायक हैं जो कमान संभाले हुए थे, भाजपा का आई.टी. सेल मीडिया भी प्रभावी ढंग से काम कर रहा था।

कांग्रेस का कोई बड़ा कार्यक्रम नहीं हुआ। चुनाव के तीन दिन पहले भाजपा ने हिमाचल प्रदेश के मंडी की भाजपा प्रत्याशी फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत का रोड शो करवाया, जो काफी सफल रहा। मतदान के दिन अवश्य चुनावी माहौल देखा गया पर संतुलन भाजपा के पक्ष में दिखा सभी बूथ पर भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे, वहीं कुछ वॉर्ड को छोड़ कांग्रेस कार्यकर्ता नदारद रहे। इस प्रकार पाली लोकसभा क्षेत्र में भाजपा के प्रत्याशी चौधरी तीसरी बार जीत हासिल करेंगे, तो यह रिकॉर्ड बनेगा, पाली से लगातार कोई भी सांसद तीन बार नहीं जीता।

टिकट लौटाने के बाद कांग्रेस ने पुरी सीट पर उम्मीदवार बदला

नयी दिल्ली, 5 मई (वार्ता)। कांग्रेस ने ओडिशा की पुरी लोकसभा सीट की प्रत्याशी सुचित्रा मोहंती के टिकट वापस करने के बाद श्री जय नारायण पटनायक को नया उम्मीदवार बनाया है।

- **कांग्रेस ने ओडिशा की पुरी लोकसभा सीट की प्रत्याशी सुचित्रा मोहंती के टिकट वापस करने के बाद जय नारायण पटनायक को नया उम्मीदवार बनाया है।**

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सुश्री मोहंती की जगह पटनायक को इस सीट पर नया उम्मीदवार बनाया है। गौरतलब है कि, सुचित्रा मोहंती ने यह कहते हुए टिकट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

करौली-धौलपुर लोकसभा सीट में कम मतदान के बावजूद भाजपा का पलड़ा भारी

बसपा के प्रत्याशी की मौजूदगी से भी कांग्रेस के वोट कटेंगे

- **कांग्रेस ने यहां से भजनलाल जाटव और भाजपा ने इंदू देवी जाटव को टिकट दिया है। हालांकि एस.सी. वर्ग कांग्रेस का वोट बैंक माना जाता है पर भाजपा व कांग्रेस दोनों दलों के प्रत्याशियों के एक ही वर्ग से होने के कारण एस.सी. वोट बंट गए जिससे कांग्रेस नुकसान में रहेगी।**
- **मतदान से तीन दिन पूर्व धौलपुर की कांग्रेस विधायक शोभारानी कुशवाहा के करीबी रिश्तदार भाजपा में शामिल हो गए इससे भी कांग्रेस को नुकसान होगा।**
- **बाड़ी के बसपा विधायक जसवंत गुर्जर, जो विधानसभा चुनाव से पूर्व भाजपा छोड़ बसपा में आए थे, ने भी मुख्यमंत्री भजनलाल की सभा में भाजपा को समर्थन दिया, इससे गुर्जर वोटों का रुझान भी भाजपा की तरफ हो गया।**

करौली/धौलपुर, 5 मई (नि.स.) करौली -धौलपुर लोकसभा सीट, जहां की आठ विधानसभा क्षेत्र करौली, हिंडौन, टोडाभीम, सपोटरा और धौलपुर, राजाखेड़ा, बाड़ी, बसेड़ी हैं, में इस बार 49.29 प्रतिशत मतदान हुआ है जो पिछले 2019 के चुनाव में हुए मतदान से करीब 5.13 प्रतिशत है। आम धारणा है कि कम मतदान से नतीजों में कांग्रेस को लाभ होता है लेकिन इस बार कुछ उल्टा होता देखा जा रहा है कि कम मतदान और कांग्रेस की कड़ी चुनौती के बाद भी करौली-धौलपुर सीट भाजपा के पक्ष में जाने के संकेत मिल रहे हैं।

इस सीट पर वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में 54.62 एवं वर्ष 2019 में 54.42 और इस बार 49.29 प्रतिशत मतदान रहा है जो पिछले दो बार के मतदान से कम रहा है। वर्ष 2014 एवं 2019 के मतदान में मोदी लहर का असर रहा। इस बार भी मोदी लहर का असर तो रहा, लेकिन 19 अप्रेल जिस दिन मतदान था, उस दिन बड़ा सावा होने के कारण मतदान प्रतिशत कम रहा। यहां भाजपा और कांग्रेस के बीच कड़ी टक्कर देखी गई।

इस बार करौली- धौलपुर लोकसभा सीट पर भाजपा और कांग्रेस दोनों ने ही एक ही जाति विशेष एस.सी. वर्ग के प्रत्याशी को टिकट दिया है। भाजपा ने इंदू देवी जाटव तो कांग्रेस ने संजय जाटव को मैदान में उतारा। यही वजह है कि दोनों पार्टियों में कांटे की टक्कर रही और अब जीत का अंतर बहुत कम रहने की उम्मीद भी है। महत्वपूर्ण बात यह है कि कम मतदान के बीच भी भाजपा की जीत के आसार है।

भाजपा और कांग्रेस प्रत्याशी एक ही जाति के हैं इसलिए एस.सी. वोट जिसे कांग्रेस का वोट बैंक माना जाता है, बंट गए इससे भाजपा को लाभ होने की संभावना है। इसके अलावा माली, कुशवाहा वोटर भी कांग्रेस के माने जाते हैं। लेकिन इस बार इस वर्ग के वोटर ने भी कांग्रेस से टूट कर भाजपा का रुख किया है। क्योंकि धौलपुर की विधायक शोभा रानी कुशवाहा के रिश्तेदारों ने मतदान से तीन दिन पूर्व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की चुनावी सभा में कांग्रेस छोड़ भाजपा की सदस्यता ले ली, जिसका भी भाजपा को फायदा मिलने की संभावना है।

इसके अलावा एक और कारण निकलकर सामने आया है कि बाड़ी विधानसभा क्षेत्र से बसपा विधायक व सपा के जसवंत गुर्जर भी धौलपुर में मतदान से पूर्व मुख्यमंत्री की चुनावी सभा में भाजपा के पक्ष में खुलकर सामने आ गए। जसवंत गुर्जर विधानसभा चुनाव से पूर्व भाजपा छोड़कर बसपा में गए थे। इससे गुर्जर मतदाताओं के भी भाजपा के पक्ष में मतदान करने की चर्चा रही। करौली जिले कि टोडाभीम और सपोटरा विधानसभा क्षेत्र मीणा बहुल क्षेत्र हैं और जिनको कांग्रेस का वोटर माना जाता है। लेकिन इस बार मतदान दिवस के अवसर पर बड़ा सावा होने के कारण मीणा वोटर का मतदान के प्रति कम रूझान देखा गया और इसीलिए सपोटरा और टोडाभीम का मतदान प्रतिशत कम रहा। फिर भी टोडाभीम और सपोटरा से कांग्रेस को कुछ बढ़त मिल सकती है।

करौली-धौलपुर सीट पर बसपा प्रत्याशी भी मैदान में है, इससे कांग्रेस को सीधे तौर पर नुकसान पहुंचा है। वर्ष 2014 व 2019 में लगातार दो बार यहां से भाजपा के डॉ. मनोज राजौरिया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

किसानों ने दिल्ली-कटरा रेलमार्ग जाम किया

जम्मू, 5 मई (वार्ता)। पंजाब में शंभू सीमा पर चल रहे किसान आंदोलन के मद्देनज़र दिल्ली और कटरा के बीच चार ट्रेनें सात मई तक रद्द कर दी गयी हैं और कई अन्य ट्रेनों के आगमन

- **पंजाब में शंभू सीमा पर चल रहे किसान आंदोलन के मद्देनजर दिल्ली और कटरा के बीच चार ट्रेनें सात मई तक रद्द कर दी गयी हैं और कई अन्य ट्रेनों की भी समय सारणी पूरी तरह से गड़बड़ा गई है।**

निर्धारित समय से कुछ घंटों की देरी से हो रहा है।

एक अधिकारी ने बताया कि, पंजाब में किसानों के विरोध-प्रदर्शन के कारण दिल्ली-कटरा खंड के बीच चलने वाली ट्रेनों की समय सारिणी पूरी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)